৪

মোরা বিহান-বেলা উঠে রে ভাই
চাষ করি এই মাটি।
যে মাটির বুকে আছে পাকা
ধানের সোনার কাঠি ॥

ফসল বুনে রোদের তাতে
উঠি যখন ঘেমে
সদয় হয়ে আকাশ বেয়ে
বৃষ্টি আসে নেমে
(ওরে) মুচকি হেসে বৌ এনে দেয়
পান্তা ভাতের বাটি ॥

আশ মেটেনা চারা ধানের
পানে চেয়ে চেয়ে
মরাই ভ'রে থাকবে ওরাই
আমার ছেলে মেয়ে।
(আমি) চাইনা স্বর্গ, পাই যদি এই
পাকা ধানের আটি (রে ভাই) ॥

জল নিতে যায় আড়চোখে চায়
বৌ-ঝি নদীর কূলে
খুশিতে বুক ভ'রে ওঠে,
খাটুনি যাই ভুলে।
এ মাঠ নয় ভাই বৌ পেতেছে
ঠাণ্ডা শীতল পাটি ॥

**টুইন এফ.টি. ১৩৯৪০ ॥ শিল্পী : গণেন চক্রবর্তী ॥ 'সর্বহারা' নাটকের গান ॥ চাষীর গান ॥ তাল : কাহারবা**

সন্া II সা সা | গা মা I পা ধা | না র্সর্রা I
মোরা বি হান্ বে লা উ ঠে রে ভা০

II
[-র্সা]
I -নর্সা -া | -া -া I -া -পা | -া না I
০০ ০ ০ ০ ০ ই ০ রেভাই

I নর্সাঃ র্সঃ | র্সা র্সনা I ধনা পনা | না না I
চা০ ষ্‌ক রি এই মা০ টি০ রে ভাই

I নর্সাঃ র্সঃ | র্সা র্সনা I ধনা পা | -া পা I
চা০ ষ্‌ক রি এই মা০ টি ০ যে

I পা পধা | ধা ধপা I পর্সা নধা | -পা -ধণা I
মা টির্ বু কে০ আ০ ছে০ ০ ০০

I প-ধা -পা | -া পা I পা পণা | ধপা পধা I
০ ০ ০ পাকা ধা নের্ সো০ নার্

I মপা মগা | -া পা I পা পণা | ধপা পা I
কা০ ঠি ০ পাকা ধা নের্ সো০ নার্

I পণা ধপা | -মগা -রসা II
কা০ ঠি০ ০০ ০০

II{ সা সা | সা সা I রা রা | সা ন্া I
ফ সল্ বু নে রো দের্ তা তে

I সগা গা | গমা পমা I পমা গা | -া -া I
উ০ ঠি য০ খন্ ঘে০ মে ০ ০

I মা মপা | পা পা I পর্সা নর্সা | ধণা ধণা I
স দয়্ হ য়ে আ০ কাশ্ বে০ য়ে০

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | পণা | ধপা | \| | মগা | সা | I | গা | সা | \| | া | া | }I | | |
| | বৃষ্ | টি০ | | আ০ | সে | | নে | মে | | | | | | |
| I{ | র্সা | র্রা | \| | ^র্স ধা | র্সা | I | ^ধ পাঃ | -ধঃ | \| | ^প গা | পা | I | | |
| | মুচ্ | কি | | হে | সে | | বৌ | এ | | নে | দেয় | | | |
| I | ^প গাঃ | মঃ | \| | গরা | সরা | I | ^র মা | গা | \| | -া | (র্সা) | }I | সন্ | II |
| | পান্ | তা | | ভা০ | তের্ | | বা | টি | | ০ | ওরে | | "মোরা" | |
| II{ | সমা | মা | \| | মা | মা | I | া | মাঃ | \| | -পঃ | পা | I | | |
| | আ০ | শ্মে | | টে | না | | | চারা | | ধা | নের্ | | | |
| I | পা | ধা | \| | ধণা | -ধণা | I | পধা | -পগা | \| | া | া | I | | |
| | পা | নে | | চে০ | ০০ | | চে০ | য়ে০ | | | | | | |
| I | পা | পধা | \| | ধা | ধণা | I | পধা | পগা | \| | া | া | I | | |
| | ম | রাই | | ভ | রে০ | | থাক্ | বে০ | | | | | | |
| I | পা | পণা | \| | ধপা | মা | I | গমা | গরা | \| | সরা | গরা | I | | |
| | ও | রাই | | আ০ | মার্ | | ছে০ | লে০ | | মে০ | ০০ | | | |
| I | গরা | -সা | \| | -া | -া | }I | ধর্সা | র্সা | \| | র্সা | র্সর্রা | I | | |
| | য়ে০ | ০ | | ০ | ০ | | চা০ | ইনা | | স্বর্ | গ০ | | | |
| I | -নর্সা | -া | \| | -া | -র্সর্রা | I | -নর্সা | -া | \| | -পা | পধা | I | | |
| | ০০ | ০ | | ০ | ০০ | | ০০ | ০ | | ০ | আমি | | | |
| I | ধর্সা | র্সা | \| | র্সা | র্সা | I | না | না | \| | না^র্স | ধনা | I | | |
| | চা০ | ইনা | | স্বর | গ | | পা | ইয | | দি | এ০ | | | |
| I | -ধপা | পধাঃ | \| | মঃ | পা | I | পা | পা | \| | পধা | ধণা | I | | |
| | ০ই | পাকা | | ধা | নের্ | | আ | টি | | রে০ | ভাই | | | |

I পা পধা | মা পা I পণা ধপা | -মগা -রসা II
পা কা০ ধা নের্ আ০ টি০ ০০ ০০

II{ মা মা | ধা ধা I র্সা র্সা | র্সা র্সা[ন] I
জ ল্নি তে যায়্ আ ডুচো খে চায়্

I না নর্রা | র্সা নর্সা I ধনা না | -া -নর্সা I
বৌ ঝি০ ন দীর্ কূ০ লে ০ ০০

I -ধনা -া | -া (-া) }I -পা I{ র্সা র্সা | র্সা র্সা I
০০ ০ ০ ০ ০ খু শী তে বুক্

I [ধ]না পা | না না }I [ন]র্সা র্সা | [র্]র্সা ণধা I
ভ রে ও ঠে খা টু নি যাই

I পধা ধা | -া -া I -ণণা ধা | -ধধা পা I
ভু০ লে ০ ০ ০০ ০০,

I -পপা -মগা | [র]-গা -া I -া -া | -া সা I
০০ ০০ ০ ০ ০ ০ ০ এ

I{ সরাঃ জ্ঞঃ | রা সা I রণাঃ ণঃ | ধা পা I
মা০ ঠ্ নয়্ ভাই বউ পে তে ছে

I গা মা | গরা সরা I গা সা | -া (সা) }I সন্া II II
ঠান্ ডা শী০ তল্ পা টি ০ এ "মোরা"